



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204|

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 28, 2006/भाद्र 6, 1928

No. 204|

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 28, 2006/BHADRA 6, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2006

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., सिंगापुर और चीनी ताईपेई से कॉम्पैक्ट डिस्क - रिकॉर्डेबल ( सी डी आर ) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/15/2005/डी जी ए डी.-1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण), नियमावली 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

2. यतः ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (जिसे एतदपश्चात याचिकाकर्ता कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., हांगकांग, सिंगापुर और चीनी ताईपेई (जिन्हें संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉम्पैक्ट डिस्क - रिकॉर्डेबल (सी डी -आर) (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने हेतु जांच शुरू करने का अनुरोध किया है ।

3. और यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर, नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 4 अप्रैल, 2006 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की है, ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके एवं पाटनरोधी शुल्क की उस राशि के संबंध में सिफारिश की जा सके, जिसे यदि वसूल किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

## क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के पश्चात् इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 4 अप्रैल, 2006 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां इसके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों/क्षेत्रों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की तारीख के 40 दिनों के भीतर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।

(ii) उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों/उच्चायोगों को घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका की अगोपनीय प्रति उपलब्ध कराई गई थी।

(iii) नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को जांच की शुरुआत के बारे में सूचना दी गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों/क्षेत्रों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को पत्र, याचिका तथा निर्यातक को भेजी गई प्रश्नावली की एक-एक प्रति भी भेजी गई थी।

(iv) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को नियम 6(4) के अनुसार प्रश्नावली भेजी थी।

(v) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाने हेतु अनुरोध प्राप्त हुए थे। तथापि संबद्ध देशों के सिर्फ निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:-

(क) मै0 इमेशन सिंगापुर प्रा0 लि0, सिंगापुर

(ख) मै0 फोशन नन्हाई पर्ल ऑडियो वीडियो कंपनी, चीन जन.गण.

ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरिंग एंड टेक्नोलॉजीज एसोसिएशन, हॉंगकाँग ने भी उत्तर प्रस्तुत करने तथा जांच में सहयोग करने हेतु अतिरिक्त समय की मांग करते हुए दिनांक 8 मई, 2006 को एक पत्र प्रस्तुत किया था। उनके अनुरोध के अनुसार उन्हें अतिरिक्त समय प्रदान कर दिया गया था। तथापि एसोसिएशन ने इस जांच के संबंध में कोई उत्तर अथवा सूचना प्रस्तुत नहीं की है। तथापि व्यापार एवं उद्योग विभाग, हॉंगकाँग की विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने भी एक निवेदन प्रस्तुत किया है, जिसे दर्ज कर लिया गया है।

(vi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत के संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों एवं उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थी। तथापि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी आयातक से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। केवल निम्नलिखित पक्षकारों से संक्षेप में निवेदन प्राप्त हुए हैं :

- (क) मै0 लोक इंटरप्राइसेज, मुम्बई
- (ख) मै0 क्रिस्टल इंपेक्स, मुम्बई

उपर्युक्त के अलावा, मै0 एलाइड इलेक्ट्रॉनिक्स, उदयपुर, ने 25 जुलाई, 2006 के अपने पत्र द्वारा आयातक प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था। इस आयातक ने 21 अगस्त, 2006 को प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। मै0 ट्रेड ऑटोमेशन प्रा0 लि0 ने भी इसी प्रकार का अनुरोध किया था, परंतु वे उत्तर देने में असमर्थ रहे हैं।

(vi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) तथा केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध रखा है।

(ix) याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत और वस्तु को बनाने तथा बेचने की लागत का अनंतिम निर्धारण किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(x) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों की जांच की गई है। जो सूचना गोपनीय है अथवा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर, उसके अगोपनीय सारांश के साथ उपलब्ध कराई गई है, उसे इस जांच में गोपनीय माना गया है। \*\*\* यह चिह्न घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है एवं नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा भी उसे गोपनीय ही माना गया है।

(xi) यह जांच 1/10/2004 से 30/9/2005 (जांच अवधि) तक की अवधि के लिए की गई थी।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद कॉम्पैक्ट डिस्क रिकॉर्डेबल (सी डी-आर) है। सी डी-आर एक पॉलिकारबोनेट डिस्क है, जिसमें सूचना लिखने और पढ़ने के लिए लेजर किरण को दिशा प्रदान करने हेतु एक तरफ एक पेंचदार खांचा होता है। डिस्क पर पेंचदार खांचे वाली और प्राकृतिक कार्बनिक रंजक की एक पतली परत तथा उसके पश्चात चांदी, चांदी की मिश्रधातु अथवा सोने की एक पतली परावर्ती परत होती है। अंततः मेटल रिफ्लेक्टर के उपर फोटो-पॉलियराजेबल लैकर की

एक सुरक्षादायी परत लगाई जाती है और पराबैंगनी - विकिरण से उसे उपचारित किया जाता है। इस तरह की डिस्क पर केवल एक बार रिकॉर्डिंग की जा सकती है और इसलिए "डब्ल्यू ओ आर एम" प्रकार (राइट वन्स रीड मेनी टाइम्स) की डिस्क कहा जाता है। यह डिस्क डिजिटल आंकड़ों अथवा संगीत के लिए एक ऑप्टिकल स्टोरेज मीडियम है। इस उत्पाद को आई टी सी (एच एस) तथा सीमा शुल्क वर्गीकरण संख्या 8523.90.50 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, उपर्युक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

#### घ. घरेलू उद्योग की स्थिति

6. याचिका ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओ डी एम ए) द्वारा दायर की गई है जिसमें भारत में संबद्ध वस्तु के 8 उत्पादक शामिल हैं। संबद्ध वस्तु के चार उत्पादकों तथा ओ डी एम ए के सदस्यों ने याचिकाकर्ताओं के रूप में याचिका प्रस्तुत की है तथा ओ डी एम ए के शेष चार सदस्यों ने याचिका को अपना समर्थन प्रदान किया है। अतः घरेलू उत्पादक जो याचिका का स्पष्ट समर्थन करते हैं भारत में संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से का उत्पादन करते हैं और नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

#### ड. न्यूनतम सीमा

7. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहा है।

#### च. अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

8. व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग की विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने 14 जून, 2006 के अपने निवेदन में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- कि यह जांच ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा प्रमाणरहित याचिका के आधार पर शुरू की गई है, क्योंकि याचिका में कई संदेहास्पद तथा अनुचित दावे प्रस्तुत किए गए हैं तथा प्राधिकारी पाटनसेधी कशर के अनुच्छेद 5.3 के तहत याचिका में दिए गए साक्ष्यों की पर्याप्तता और सत्यता की जांच करने के अपने दायित्व का पालन करने में असमर्थ रहे हैं।
- कि हांगकांग के पांच नामजद निर्यातकों के खिलाफ लगाए गए पाटन के आरोप अनुचित हैं क्योंकि उनमें से दो निर्यातकों ने सी डी आर का विनिर्माण बंद कर दिया है और अन्य दो निर्यातकों ने जांच अवधि के दौरान भारत को सी डी आर का निर्यात नहीं किया था।
- कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय आवेदन से भारतीय उद्योग के निष्पादन की पूरी जानकारी नहीं मिलती है।
- कि हांगकांग में सी डी आर का पर्याप्त घरेलू बाजार है और हांगकांग के उत्पादक घरेलू बाजार को पर्याप्त मात्रा में सी डी आर की बिक्री करते हैं। अतः तुर्की के लिए हांगकांग की निर्यात कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य को अपनाने का प्रस्ताव उचित नहीं है। हांगकांग से सी डी आर के कुल निर्यात में तुर्की का हिस्सा 0.43 प्रतिशत से भी कम है।

- यह कि आवेदकों ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के उचित आकलन करने के लिए अपने अगोपनीय आवेदनों में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। तथापि यदि ओ डी एम ए के आवेदन को प्रथम दृष्ट्या देखा जाए तो उसमें बताई गई कुछ सूचना से यह संकेत मिलता है कि शिकायतकर्त्ताओं के दावों के विपरीत भारतीय उद्योग अच्छे ढंग से कार्य कर रहा है। अतः क्षति का दावा संदेहास्पद है।
- ओ डी एम ए हांगकांग से हुए आयातों के कारण कथित रूप से पड़े क्षतिकारी प्रभावों को अलग और पृथक नहीं कर पाया है और ओ डी एम ए के आवेदन में हांगकांग से सी डी आर एस के आयातों के बीच कारणात्मक संबंध और भारतीय घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति का कोई सबूत नहीं है। अतः प्राधिकारी को जिम्मेदार न ठहराने के अपने दायित्व को पूरा करना चाहिए और उन कारकों पर विचार करना चाहिए जिनसे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना हो।

प्राधिकारी ने इन अनुरोधों पर इनकी प्रासंगिकता एवं प्रामाणिकता की सीमा तक विचार किया है।

#### छ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से दो निर्यातकों अर्थात् मै0 इमेशन सिंगापुर पी टी ई लि., सिंगापुर और मै0 फोशन नान्हाई पर्ल आडियो विडियो कंपनी, चीन जन.गण. ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है जिनकी इस प्रकार जांच की गई।

##### छ.1 मै0 इमेशन सिंगापुर पी टी ई लि0, सिंगापुर

10. मै0 इमेशन सिंगापुर पी टी ई लि, सिंगापुर, सिंगापुर से संबद्ध वस्तु के एक निर्यातक हैं और उनके पास अपनी कोई उत्पादन की सुविधा नहीं है। तथापि उन्होंने अपने समर्थक उत्पादक के ब्यौरे तथा उत्पादन लागत उपलब्ध नहीं कराई है। इस निर्यातक ने इस प्रयोजनार्थ निर्धारित ढंग एवं तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। तदनुसार, निर्यातक को दिनांक 24 जुलाई को एक ब्यौरेवार कमी संबंधी पत्र भेजा गया था जिसमें उनसे समर्थक विनिर्माता के आंकड़ों, यदि कोई हों, समेत निर्धारित ढंग एवं तरीके से प्रश्नावली का संशोधित उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। तथापि निर्यातक ने उसका कोई उत्तर नहीं दिया है।

##### छ.2 मै0 फोशन नान्हाई पर्ल आडियो विडियो कंपनी, चीन जन.गण.

11. मै0 फोशन नान्हाई पर्ल आडियो विडियो कंपनी, चीन जन.गण., चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक है जो मै0 साउंड साउंड मल्टीमीडिया कंपनी, हांगकांग के जरिए भारत को इनका निर्यात करता है। यह देखा गया था कि प्रतिवादी ने वास्तविक निर्यातक अर्थात् मै0 साउंड मल्टीमीडिया कंपनी, हांगकांग से प्राप्त कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्रतिवादी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। उत्पादक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में अनेक अन्य कमियां भी नोट की गई हैं। अतः इस पक्षकार को दिनांक 24 जुलाई को संबद्ध वस्तु के वास्तविक निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर के साथ निर्धारित ढंग एवं पद्धति से प्रश्नावली का उत्तर और दोनों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर तथा उनके अनुरोधों के अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने के लिए एक कमी संबंधी ब्यौरेवार पत्र जारी किया गया

था। निर्यातक ने दिनांक 4 अगस्त, 2006 के पत्र के तहत उपर्युक्त कमी संबंधी जबाब दिया था। तथापि संबद्ध वस्तु के निर्यातक अर्थात् मै0 साउंड साउंड मल्टीमीडिया कंपनी हांगकांग ने कोई उत्तर प्रस्तुत किया है। प्रतिवादी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का ब्यौरेवार उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 6.8 में यह व्यवस्था है कि ऐसा मामला जहां कोई हितबद्ध पक्षकार जानकारी देने या अन्यथा तर्कसंगत अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने या जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालता है तो प्राधिकारी इन मामलों में अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है।

13. अनुबंध II के पैराग्राफ 1 के साथ पठित करार के अनुच्छेद 6.8 में यह व्यवस्था है कि जांच की शुरुआत होने के बाद जितनी जल्दी संभव हो, निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी हितबद्ध पक्षकार से अपेक्षित सूचना के ब्यौरे तथा वह तरीका जिसमें अपने उत्तर में हितबद्ध पक्षकार को सूचना तैयार करनी है, विनिर्दिष्ट करना चाहिए। प्राधिकारी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पक्षकार को इस बात की जानकारी है कि यदि तर्कसंगत समय के भीतर सूचना प्रस्तुत नहीं की गई तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच की शुरुआत करने के आवेदन में दिए गए तथ्यों समेत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए मुक्त होंगे।

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के निर्यातकों और उनकी सरकारों को निर्धारित पद्धति एवं तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की अपेक्षा के बारे में पर्याप्त ढंग से सूचित किया गया है और पक्षकारों को इस संबंध में अपने अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। अतः संबद्ध देश से सहयोग के अभाव और प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त कमियों को अभी तक पूरा न किए जाने तथा इनके परीक्षण/सत्यापन के बाद प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर संबद्ध देशों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

#### (क) चीन जन. गण.

##### सामान्य मूल्य

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य संबंधी कोई उत्तर या सूचना नहीं दी है और न ही उपर्युक्त उल्लिखित निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अपूर्ण उत्तर को छोड़कर किसी पक्षकार ने चीनी निर्यातकों के विरुद्ध गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खण्डन किया है। यद्यपि प्रतिवादी उत्पादक ने अपनी घरेलू बिक्रियों और उत्पादन लागत संबंधी ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं तथापि यह उत्तर अपूर्ण है और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर यह उस देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई तर्कसंगत आधार उपलब्ध नहीं कराता है। अतः चीन जन.गण. के प्रतिवादी उत्पादक द्वारा अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत किए जाने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्राधिकारी के पास यथा उपलब्ध आवेदकों द्वारा चीन के घरेलू बाजार में सी डी आर के सौदा मूल्य के साक्ष्यों पर विचार करते हुए चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से निर्धारण किया है। तथापि, ऐसे सौदे चूंकि वितरक स्तर पर हुए हैं इसलिए कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उचित समायोजन किए गए हैं। तदनुसार, चीन से सभी निर्यातकों के लिए सी डी आर का कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग निर्धारित किया गया है।

**निर्यात कीमत**

16. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस मामले में एकमात्र चीनी उत्पादक द्वारा दिए गए उत्तर में भारत के संबंध में किसी वास्तविक निर्यात कीमत का उल्लेख नहीं किया गया है क्योंकि दी गई सूचना में हांगकांग में निर्यातक को उसकी बीजक संबंधी कीमत दर्शाई गई है। हांगकांग के निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया है। उपर्युक्त परिस्थितियों में इस निर्यातक के लिए भी अलग निर्यात कीमत निर्धारित करना संभव नहीं है। अतः निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एस के आंकड़ों के अनुसार चीन जन.गण. से आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है तथा इसमें अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़े तथा बीमा के संबंध में उस देश से किसी सहयोगी निर्यातक से पूर्ण सूचना के अभाव में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा बताए गए सी आई एफ मूल्य पर गणना करते हुए समायोजित किया गया है। तदनुसार, कारखाना द्वार स्तर तक निवल निर्यात कीमत अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग निर्धारित की गई है।

**पाटन मार्जिन**

17. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की व्यापार के समान स्तर पर तुलना की गई है। तदनुसार, चीन जन.गण. से सभी निर्यातकों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग (178%) तक निर्धारित किया गया है।

**(ख) सिंगापुर**

18. जैसाकि पहले नाट किया गया है सिंगापुर से केवल एक निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। तथापि उत्तर को पूर्ण नहीं पाया गया था और इसकी कमियों को प्रतिवादी निर्यातक को पत्र द्वारा बताया गया है। अतः सिंगापुर से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त कमियों को पूरा किए जाने तथा उनका परीक्षण/सत्यापन किए जाने तक प्राधिकारी ने संबंध देश के संबंध में निम्नानुसार पाटन मार्जिन निर्धारित किया है:-

**सामान्य मूल्य**

19. चूंकि प्रतिवादी निर्यातक के आंकड़े अपूर्ण हैं, इसलिए प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में प्रतिवादी उत्पादक द्वारा अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत किए जाने तक प्राधिकारी ने प्राधिकारी के पास यथाउपलब्ध तथ्यों तथा आवेदक द्वारा सिंगापुर में घरेलू बाजार में सी डी आर के सौदा मूल्य के साक्ष्यों पर विचार करते हुए अनंतिम रूप से सिंगापुर में सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है। तथापि ऐसी सौदा कीमतें चूंकि ये वितरक के स्तर पर हैं इसलिए कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य की गणना के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उचित समायोजन किया गया है। तदनुसार सिंगापुर से सभी निर्यातकों के लिए सी डी आर का कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग निर्धारित किया गया है।

**निर्यात कीमत**

20. निर्यात कीमत के प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस के सौदावार आंकड़ों में दी गई सी आई एफ आयात कीमत पर विश्वास किया गया है। सिंगापुर से किसी सहयोगी निर्यातक से पूरी सूचना की प्राप्ति के अभाव में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर डी जी सी

आई एस द्वारा बताए गए सी आई एफ मूल्य की अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़े और बीमा हेतु समायोजित किया गया है। तदनुसार कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग निर्धारित की गई है।

### पाटन मार्जिन

21. पाटन मार्जिन के निर्धारणार्थ जांच अवधि के दौरान व्यापार के समान स्तर अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत की तुलना सामान्य मूल्य के साथ की गई है। तदनुसार सिंगापुर में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा. (78%) के रूप में किया गया है।

### (ग) चीनी ताइपेई

#### सामान्य मूल्य

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई के निर्यातकों/उत्पादकों में से किसी ने भी निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई उत्तर या सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सौदा मूल्य के साक्ष्यों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है। तथापि ऐसे सौदे चूंकि वितरक स्तर पर होते हैं इसलिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य की गणना के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उचित समायोजन किए गए हैं। तदनुसार चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के लिए सी डी आर का कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग के रूप में निर्धारित किया गया है।

### निर्यात कीमत

23. चीनी ताइपेई से किसी सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने डी ज़ी सी आई एण्ड एस की सूचना के अनुसार चीनी ताइपेई से आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत की गणना की है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत के सी आई एफ निर्यात कीमत होने के कारण कारखानागत निर्यात कीमत की गणना के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इसमें अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़े और बीमा हेतु उचित समायोजन किए गए हैं। तदनुसार कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत अनंतिम रूप से \*\*\*\* अम.डा. प्रति नग निर्धारित की गई है।

### पाटन मार्जिन

24. पाटन मार्जिन जो चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के लिए \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति पी सी (12%) बनता है का निर्धारण करने के लिए कारखानागत सामान्य मूल्य की व्यापार के समान स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य से की गई है।



## (घ) हांगकांग

## सामान्य मूल्य

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई जवाब नहीं दिया है। इसलिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का अनुमान आवेदकों द्वारा सौदा मूल्य के संबंध में प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। चूंकि अनंतिम निर्धारण हांगकांग में घरेलू सौदों के साक्ष्य के आधार पर किया गया है इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग सरकार, विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की विषय पर की गई टिप्पणियां प्रासंगिक नहीं है। चूंकि इन सौदा कीमतों के वितरक के स्तर पर होने के कारण कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजन लागू किए गए हैं। तदनुसार, हांगकांग के सभी निर्यातकों के लिए सी डी आर एस का \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति पी सी के रूप में अनंतिम रूप से निर्धारण किया गया है।

## निर्यात कीमत

26. हांगकांग से किसी सहयोग की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने हांगकांग से आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत का परिकलन डी जी आई एस द्वारा किया गया है। इस प्रकार आकलन की गई निर्यात कीमत सी आई एफ निर्यात कीमत होने के कारण अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़े और बीमे को कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लागू किया गया है। तदनुसार, कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत का \*\*\*\*\* अमरीकी डालर पी सी के रूप में अनंतिम रूप से निर्धारण किया गया है।

## पाटन मार्जिन

27. पाटन मार्जिन जो हांगकांग के सभी निर्यातकों के लिए \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति पी सी (71%) बनता है, का निर्धारण करने के लिए कारखानागत सामान्य मूल्य की व्यापार के समान स्तर पर निर्धारित सामान्य से तुलना की गई है।

## छ.3 पाटन मार्जिन का सारांश

28. इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिनों को बहुत अधिक और निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है। पाटन मार्जिनों का सारांश निम्नानुसार है :

देश	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
		अम.डा./पीसी	अम.डा./पीसी	अम.डा./पीसी	
चीन जन.गण.	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	178%
सिंगापुर	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	78%
हांगकांग	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	71%
चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	121%

## ज. क्षति निर्धारण

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र सरकार के निवेदनों जैसा कि पूर्ववर्ती खण्ड में नोट किया गया है, के अलावा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकार द्वारा अभिव्यक्त विचारों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में अनंतिम क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों की जांच की है।

### ज.1 क्षति का संचयी आकलन

30. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ (iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों का संचयी रूप से आकलन करेंगे यदि वह निर्धारित करते हैं कि:

- (I) अलग-अलग देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं अथवा संचयी रूप से आयातों के 7% से अधिक हैं;
- (II) अलग-अलग देशों के विरुद्ध पाटन मार्जिन 21 प्रतिशत से अधिक है; और
- (III) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उपयुक्त है।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयात संबद्ध देशों सहित कई देशों से एक साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए, इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी आकलन संबंधी मुद्दे की उपर्युक्त मापदंडों के संबंध में जांच की गई थी और यह देखा गया था कि:

- (i) प्रत्येक संबद्ध देश/राज्य सीमा क्षेत्रों से अलग-अलग उत्पादों के पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ii) प्रत्येक संबद्ध देश/राज्य सीमा क्षेत्रों से अलग-अलग उत्पादों के आयातों की मात्रा विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक है;
- (iii) घरेलू उत्पाद और विभिन्न देशों में उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किया गया उत्पाद समान वस्तुएं हैं;
- (iv) आयातित उत्पाद एवं घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुएं आपस में प्रतिस्थापनीय हैं और इन्हें एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है। विभिन्न देशों से आयातों के संबंध में सौदे-वार सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि आयात इन व्यापारियों द्वारा किये जा रहे हैं जिन्होंने पुनः बिक्री के लिए सामग्री का क्रय किया है। शामिल देशों द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएं वितरण के समान माध्यमों के जरिए भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं और प्रत्यक्ष रूप से उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही है।
- (v) संबद्ध देशों से आपूर्ति किए गए उत्पादों का भारत में समान अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री माध्यमों के जरिए और समान वाणिज्यिक शर्तों के अंतर्गत विपणन किया जा रहा है।

- (vi) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों के आयातों में वृद्धि हुई है।
- (vii) संबद्ध देशों में घरेलू उत्पादक एवं निर्यातक उपभोक्ताओं के समान वर्ग को उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं।
- (viii) संबद्ध देशों से आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कमी हो रही है;

32. इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि इस मामले में क्षति का संचयी आकलन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई समान वस्तुओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

## ज. 2 क्षति की जांच एवं कारणात्मक संबंध

33. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों की जांच करना शामिल होगा जिनसे घरेलू उद्योग की क्षति का संकेत मिल सकता है, ".....पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ..... कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में अन्यथा एक अत्यधिक मात्रा तक कमी करना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हो गई होती।

34. पाटित आयातों के भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध 11 के अनुसार विचार किया गया है।

35. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है, की निम्नानुसार जांच की गई है:-

### ज.2.1 पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव: आयात मात्राएं एवं बाजार हिस्से

#### (क) आयात मात्राएं

36. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

37. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का असंबद्ध उत्पादों के आंकड़ों की छंटाई करके डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण किया गया है। आयात के आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

देश	आयात मात्राएं 2002-03	2003-04	मात्रा संख्या में 2004-05	जांच अवधि
चीन जन. गण.	2200200	22109908	75171056	119843369
हांगकांग	0	7338659	17639805	26530200
सिंगापुर	3706300	5913900	2247302	1888102
चीनी ताइपेई	27751823	31028228	61005966	94031421
सकल संबद्ध देश	33,658,323	66,390,695	156,064,129	242,293,092
प्रवृत्ति	100	197	464	720
अन्य देश	2,229,790	3,070,260	8,135,882	11,857,176
प्रवृत्ति	100	138	365	532
कुल	35888113	69460955	164200011	254150268
प्रवृत्ति	100	194	458	708
संबद्ध देशों का हिस्सा	94%	96%	95%	95%
अन्य देशों का हिस्सा	6%	4%	5%	5%

आंकड़ों का स्रोत: डी जी सी आई एंड एस

38. उपर्युक्त आंकड़ों से यह संकेत मिलता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान कुल आयातों और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में लगभग 700 % अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा इस अवधि के दौरान कुल आयातों का लगभग 95 % है और इसलिए यह संकेत मिलता है कि अन्य स्रोतों से आयात नगण्य है और आयातों में समूची बढ़ोतरी के लिए संबद्ध देशों से आयात जिम्मेदार हैं।

**(ख) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव**

39. घरेलू उत्पादन की मात्रा तथा घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालन पर पाटित आयातों के प्रभाव की घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री के रूप में जांच की गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक निर्यात उन्मुख इकाई है तथा घरेलू उद्योग का घरेलू उत्पादन भारत सरकार की ईओयू नीति के अनुसार घरेलू बिक्री हकदारी को ध्यान में रखते हुए परिकलित किया गया है। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री की तुलना इस हकदारी पर आधारित घरेलू उत्पादन से की गई है।

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
	मात्रा (सं.)	मात्रा (सं.)	मात्रा (सं.)	मात्रा (सं.)
उत्पादन, बिक्री तथा बाजार हिस्सा				
स्थापित क्षमता	*****	*****	*****	*****
उत्पादन	*****	*****	*****	*****
क्षमता उपयोग (%)	78%	80%	93%	94%
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****

घरेलू बाजार के लिए उत्पादन	*****	*****	*****	*****
घरेलू बिक्री हकदारी	*****	*****	*****	*****
हकदारी के % के रूप में बिक्री		40%	84%	62%

40. आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग उच्च है तथा इसमें आधार वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। तथापि, घरेलू बाजार के लिए इसका उत्पादन तथा घरेलू बाजार में बिक्री में 2004-05 में सुधार के पश्चात् अत्यधिक गिरावट आई है। घरेलू बाजार में बिक्री में इसकी हकदारी के प्रतिशत के रूप में घरेलू बिक्री में 2004-05 में 84% से जांच अवधि में 62% तक की गिरावट आई है।

#### (ग) बाजार हिस्से पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

41. घरेलू बिक्री तथा बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है -

देश	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल आयात				
संबद्ध देश	33658323	66390695	156064129	242293092
प्रवृत्ति	100	197.25	464	720
अन्य देश	2229790	3070260	8135882	11857176
प्रवृत्ति	100	137.69	365	532
कुल आयात	35888113	69460955	164200011	254150268
प्रवृत्ति	100	193.55	458	708
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	225.67	353	307
कुल मांग	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	219.02	375	390
मांग में हिस्सा सूचीबद्ध				
संबद्ध देश	100	90.06	124	184
अन्य देश	100	62.87	97	136
घरेलू उद्योग	100	103.04	94	79

42. जहां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में लगभग 200% की वृद्धि हुई है वहीं कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में पिछले वर्ष की तुलना में 17% की गिरावट आई, जबकि पाटित आयातों के हिस्से में 17% की वृद्धि हुई जो यह दर्शाती है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा तथा बाजार मूल्य पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है।

#### ज.2.2 पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

43. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के सम्बन्ध में प्राधिकारी से इस बात पर विचार करने की अपेक्षा की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा

अत्यधिक कीमत कटौती की गई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक हास करता है अथवा कीमत वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा एक पर्याप्त स्तर पर पहुंच गई होती। प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से सीआईएफ आयात कीमत निम्नानुसार रही है -

		सीआईएफ आयात कीमत			
	देश	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
	चीन जन. गण.	4.70	4.37	3.79	3.39
	हांगकांग	0	4.44	3.43	3.36
	सिंगापुर	6.22	4.51	3.77	3.91
	चीनी ताइपेई	5.82	4.76	3.74	3.06
	कुल संबद्ध देश	5.79	4.57	3.73	3.26
	प्रवृत्ति	100	79	64	56

44. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 44% से अधिक की गिरावट आई।

### ज.2.3 कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री

45. प्राधिकारी ने कर तथा शुल्क, रिबेट, छूट तथा कमीशन तथा भाड़ा तथा परिवहन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण किया। आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण 1% पहुंच मूल्य तथा लागू आधारभूत सीमाशुल्क के साथ भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करके किया गया।

	देश	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
प्रति इकाई बिक्री की लागत		*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	94.41	81.40	82.76
बिक्री कीमत		*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	105.68	66.49	63.68
पहुंच मूल्य					
चीन जन. गण.		5.22	4.82	4.02	3.51
हांगकांग		0.00	4.89	3.64	3.48
सिंगापुर		6.91	4.98	4.00	4.05
चीनी ताइपेई		6.47	5.25	3.96	3.17
कुल संबद्ध देश		6.44	5.04	3.96	3.38
प्रवृत्ति		100	78.36	61.46	52.49
कीमत कटौती					
चीन जन. गण.					30-40%
हांगकांग					30-40%
सिंगापुर					15 -25%
चीनी ताइपेई					45-55%
कुल संबद्ध देश					35-45%
एनआईपी					
कीमत कटौती					*****
चीन जन. गण.					115-125%

हांगकांग				115-125%
सिंगापुर				85-95%
चीनी ताइपेई				140-150%
कुल संबद्ध देश				125-135%

46. यद्यपि उत्पादन की लागत में लगभग 17% की गिरावट आई है। तथापि, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली में क्षति अवधि के दौरान लगभग 38% तक की गिरावट आई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में प्रदर्शित है। संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य में लगभग 48% तक की गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों की कम कीमत पर बिक्री लगभग 40% थी। सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की कम कीमत पर बिक्री पहुंच मूल्य के % रूप में जांच अवधि के दौरान 100% से अधिक थी।

#### ज.2.4 कीमत न्यूनीकरण तथा ह्रास

47. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच करने हेतु घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की उत्पादन की लागत से तुलना की गई। आंकड़ों से यह प्रदर्शित है कि यद्यपि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत में गिरावट आई है तथापि, बिक्री वसूली में गिरावट, उत्पादन की लागत में गिरावट की तुलना में अत्यधिक उच्च है। इसलिए यह प्रतीत होता है कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने के लिए अपनी कीमतों को कमतर रखने पर बाध्य होना पड़ा।

48. उपर्युक्त विश्लेषण से यह प्रदर्शित है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के रूप में निरपेक्ष रूप से एवं बाजार हिस्से तथा घरेलू बाजार की कीमतों में ह्रास करके एवं इसके बाजार हिस्से का क्षरण करके दोनों रूपों में प्रतिकूल मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव पड़ा है।

#### ज.3 अन्य क्षतिकारी कारकों की जांच

49. कुछेक क्षतिकारी कारकों अर्थात् बिक्री एवं बाजार हिस्से में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; पूर्ववर्ती खण्ड में आयातों की मात्रा आदि में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी ने अन्य अनिवार्य क्षतिकारी मानदण्डों की निम्नानुसार जांच की है -

##### (क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री

50. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार रहा है -

क्षमता एवं क्षमता उपयोग	मात्रा नग में			
	2002-03	2003-04	2004-05	POI
डीआई की क्षमता	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	182	200	192

कुल उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	188	237	231
क्षमता उपयोग	78%	80%	93%	94%
प्रवृत्ति	100	102	119	120
घरेलू बिक्री हकदारी	*****	*****	*****	*****
घरेलू उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	295	439	276
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	225.67	353	307
हकदारी के % के रूप में बिक्री		90%	84%	62%

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता में वर्ष 2003-04 में अत्यधिक वृद्धि हुई तथा इसके पश्चात क्षमता में बहुत मामूली वृद्धि हुई। निर्यात के लिए आशायित उत्पादन सहित घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन में 2002-03 तथा 2003-04 के बीच क्षति अवधि के दौरान लगभग 80% की वृद्धि हुई तथा इसके पश्चात उत्पादन में वृद्धि अगले तीन वर्षों में केवल 25% रही। उच्चतर उत्पादन के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई। तथापि, भले ही कुल उत्पादन में वृद्धि हुई घरेलू बिक्री में पिछले वर्ष में वृद्धि दर्शाने के बाद जांच अवधि में अत्यधिक गिरावट आई। घरेलू बिक्री के लिए उत्पादन भी पूर्ववर्ती वर्ष में सुधार आने के पश्चात अत्यधिक गिरावट दर्शाता है। यद्यपि घरेलू मांग में आधार वर्ष में लगभग 78% की वृद्धि हुई है।

(ख) लाभ/हानि तथा निवेश से आय

52. घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से अर्जित लाभ निम्नानुसार था -

			2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
बिक्री की औसत घरेलू लागत	यूनिट के अनुसार	*****	*****	*****	*****	*****
औसत घरेलू बिक्री	यूनिट के अनुसार	*****	*****	*****	*****	*****
लाभ/हानि	यूनिट के अनुसार	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति			100	264	-142	-204
घरेलू निवेश	रु.	*****	*****	*****	*****	*****
घरेलू निवेश पर आय आरओआई	रु.	*****	*****	*****	*****	*****
निवेश पर आय (आरओआई)%	%	***** %	***** %	***** %	***** %	***** %
प्रवृत्ति			100	53	-18	-28

53. उपर्युक्त आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि समग्र उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि एवं उत्पादन लागत में गिरावट के बावजूद घरेलू बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में घाटा होना शुरू हो गया है। आधार वर्ष में प्रति यूनिट सकारात्मक लाभ मार्जिन से जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को घरेलू बिक्री पर निवल घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए घरेलू निवेश पर आय आधार वर्ष में 17% घनात्मक आय से घटकर जांच अवधि में 5% ऋणात्मक आय हो गई है।



## (ग) रोजगार तथा मजदूरी

54. कर्मचारियों की संख्या तथा अदा की गई मजदूरी से ज्ञात होता है कि उत्पादन में वृद्धि के कारण रोजगार में भी वृद्धि हुई है, जो क्षमता वर्धन के अनुरूप है। मजदूरी भी आधार वर्ष की तुलना में लगभग 16% बढ़ गई है, जो घरेलू उद्योग पर मजदूरी के बोझ अनुपात से अधिक वृद्धि नहीं दर्शाती।

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
रोजगार (जनशक्ति)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	176	236	249
प्रति व्यक्ति औसत मजदूरी	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	105	116
प्रति व्यक्ति दिवस औसत मजदूरी	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	105	116

## (घ) सामानसूची

55. घरेलू उद्योग की सामान सूची की स्थिति घरेलू उद्योग द्वारा इन्वेंटरी होल्डिंग दर्शाती है, हालांकि निर्यात कार्यकलाप में वृद्धि से औसत स्टॉक में कमी आ गई है।

सामान सूची	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
अथशेष स्टॉक	*****	*****	*****	*****
इतिशेष स्टॉक	*****	*****	*****	*****
औसत स्टॉक	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	35	70	72
दैनिक बिक्री के रूप में औसत स्टॉक	82	13	16	19

## (छ) नकद प्रवाह

56. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के नकद लाभ का ब्यौरा निम्नानुसार है -

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल नकद लाभ	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	2201	728	399
नकद लाभ: स्वदेशी	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	325	110	19
नकद लाभ (प्रति यूनिट)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	113	30	15
नकद लाभ: स्वदेशी (प्रति यूनिट)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	144	31	6

57. यह देखा जा सकता है कि क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के नकद लाभ में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

**(ज) उत्पादकता**

58. घरेलू उद्योग की उत्पादकता की जांच प्रति दिवस तथा प्रति कर्मचारी उत्पादन के संदर्भ में निम्नानुसार की गई है -

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रति दिवस उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	188	237	231
कर्मचारियों की संख्या	*****	*****	*****	*****
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	107	100	93

59. रोजगार स्तर में वृद्धि के कारण यद्यपि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में मामूली गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग की दैनिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

**(झ) वृद्धि**

60. यद्यपि क्षमता, उत्पादन, बिक्री तथा उत्पादकता जैसे मानदण्डों के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही, तथापि बाजार हिस्से, लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय की दृष्टि से यह ऋणात्मक रही।

**(ञ) नए निवेश बढ़ाने की क्षमता**

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान, विस्तार हेतु नया पूंजीगत निवेश किया है। तथापि, निवेश प्रत्येक वर्ष घटता रहा है। तथापि, यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग के अंतिम कार्य निष्पादन में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे नए निवेश बढ़ाने की इसकी क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

निवेश	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
विस्तार हेतु पूंजीगत निवेश	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	72	44	32

**समग्र आकलन**

62. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की मौजूदगी दर्शाने वाले कारकों का ऊपर किया गया प्रारम्भिक विश्लेषण यह दर्शाता है कि क्षमता तथा उत्पादन में सुधार, उत्पादन लागत में कमी तथा उत्पादकता में सुधार के बावजूद घरेलू बिक्री में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, जबकि घरेलू बाजार में उत्पादों की अच्छी मांग है, निवल बिक्री से आय कम है, सामान सूची की मात्रा अधिक है, निवेश तथा लाभ से आय ऋणात्मक है। हुई क्षति वास्तविक तथा उल्लेखनीय है।

**ट.4. कारणात्मक संबंध**

63. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा इसकी कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, मूल्यहास तथा अवमूल्यन प्रभावों के रूप में इसकी कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत के प्रभावों की जांच के उपरांत प्राधिकारी ने यह भी जांच की कि क्या भारतीय नियमावली एवं पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदण्डों का भी घरेलू उद्योग को हुई क्षति में कोई योगदान रहा है। अतः निम्नलिखित मानदण्डों की भी जांच की गई है -

(क) तीसरे देशों से आयात- जांच के दायरे में न आने वाले देशों से आयात या तो अनुल्लेखनीय मात्रा में हुए हैं अथवा सम्बद्ध देशों की आयात कीमतों से अधिक कीमतों पर हुए हैं, अतः ये घरेलू उद्योग की कीमतों का प्रभावित नहीं करते।

(ख) मांग में संकुचन- क्षति की जांच की अवधि में सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अतः मांग में हुए सम्भावित संकुचन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(ग) खपत का पैटर्न- किसी भी हितबद्ध पक्ष ने खपत के पैटर्न में किसी उल्लेखनीय परिवर्तन का आरोप नहीं लगाया है।

(घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें- वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। आवेदक सम्बद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक हैं और उनका घरेलू उत्पादन में लगभग 100% योगदान है। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। प्रतिस्पर्धा की शर्तों तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई अन्य प्रमाण भी प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

(ङ.) प्रौद्योगिकी का विकास- प्रौद्योगिकी में हुए किसी उल्लेखनीय परिवर्तन का आरोप नहीं लगाया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(च) घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन -

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
निर्यात बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	167	197	222

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री उल्लेखनीय है और उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित करती है। परन्तु जांच अवधि में निर्यात से लाभप्रदता में भी गिरावट आई है। तथापि, क्षति विश्लेषण की दृष्टि से घरेलू तथा निर्यात बाजारों की कीमत एवं लाभप्रदता को अलग-अलग रखा गया है। तथापि, कम्पनी के निर्यात कार्य निष्पादन के कारण क्षति, यदि कुछ हो, जो पाटित आयातों का कारण नहीं माना गया है।

(छ) उत्पादकता- कुल उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

64. उपर्युक्त गैर-कारणात्मक विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के अलावा अन्य किसी भी कारक ने प्रभावित नहीं किया है।

#### ट.4.1 कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

65। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण दर्शाता है कि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में भारी गिरावट आई है। अतः निम्नलिखित कारणों के आधार पर पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होते हैं -

1. पाटित आयात कीमतों और उसके परिणामतः संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत में तेज़ी से गिरावट आई जिसकी परिणति अत्यधिक कीमत कटौती के रूप में हुई। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग कीमतें घटाने के लिए बाध्य हुआ।
2. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी किए जाने से कंपनी के लाभ, नकदी प्रवाह तथा निवेशजनित आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
3. यद्यपि, आयात कीमतों में गिरावट का घरेलू उद्योग ने मुकाबला किया, तथापि, अत्यधिक सकारात्मक कीमत कटौती का परिणाम संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के रूप में हुआ। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।
4. माँग में वृद्धि और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी के बावजूद आयातों की पहुंच कीमत में काफी कमी होने के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। इससे घरेलू उद्योग का विकास बाधित हुआ।

66. अतः, प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### अ. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

67. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों से निर्यातों की भारित औसत पहुंच कीमत और क्षति मार्जिनों का परिकलन निम्नानुसार किया गया है -

उत्पाद	देश	निर्यातक	क्षति मार्जिन रु. प्रति नग	क्षति मार्जिन %
सीडीआर	चीन जन. गण.	सभी निर्यातक	*****	115-125%
सीडीआर	सिंगापुर	सभी निर्यातक	*****	85-95%
सीडीआर	हांगकांग	सभी निर्यातक	*****	115-125%
सीडीआर	चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	*****	140-150%

निष्कर्ष

68. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे और किए गए निवेदनों तथा इस जांच परिणाम में दर्ज किए गए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच के बाद प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि -

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में उस कीमत पर दाखिल हुई हैं जो निर्यातक देशों के घरेलू बाजारों में उनके सामान्य मूल्य से कम है;

(ii) संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक है और न्यूनतम से अधिक है;

(iii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और उसे यह क्षति संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत दोनों, प्रकार के प्रभावों के कारण हुई है।

ट. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आमतौर पर पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा से हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ठ. सिफारिशें

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच प्रारंभ करने के बाद सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुरूप पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जांच शुरू करने एवं उसे पूरा करने और संबद्ध देशों के विरुद्ध अनन्तिम रूप से सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित करने और यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को रोकने के लिए अनन्तिम उपाय लागू करना अपेक्षित है।

71. अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हुए नीचे दिए गए रूप एवं पद्धति में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

72. प्राधिकारी द्वारा अनुपालन किए जाने वाले निम्नतर शुल्क सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में से निम्नतर के समतुल्य अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क

लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार, संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में दर्शायी गयी राशि के समतुल्य अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव किया जाता है।

## शुल्क तालिका

क्र. सं.	उपशीर्ष अथवा टैरिफ मद	वस्तु विवरण	निर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8523.90.50	कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल बल (सीडीआर)-राइट वंस रीड मेनी टाइम्स	कोई भी	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	0.094	नग	अमरीकी डॉलर
2	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	कोई भी	0.094	नग	अमरीकी डॉलर
3	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	कोई भी	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	0.094	नग	अमरीकी डॉलर
4	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई भी	कोई भी	0.064	नग	अमरीकी डॉलर
5	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	सिंगापुर	चीन जन. गण. तथा चीनी ताइपेई को छोड़कर कोई अन्य	कोई भी	कोई भी	0.064	नग	अमरीकी डॉलर
6	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	चीन जन. गण. तथा चीनी ताइपेई को छोड़कर कोई अन्य	सिंगापुर	कोई भी	कोई भी	0.064	नग	अमरीकी डॉलर
7	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	हांगकांग	हांगकांग	कोई भी	कोई भी	0.049	नग	अमरीकी डॉलर
8	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	हांगकांग	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई अन्य	कोई भी	कोई भी	0.049	नग	अमरीकी डॉलर
9	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई अन्य	हांगकांग	कोई भी	कोई भी	0.049	नग	अमरीकी डॉलर
10	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई भी	कोई भी	0.075	नग	अमरीकी डॉलर
11	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	चीनी ताइपेई	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई अन्य	कोई भी	कोई भी	0.075	नग	अमरीकी डॉलर
12	उपर्युक्त	उपर्युक्त	उपर्युक्त	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई अन्य	चीनी ताइपेई	कोई भी	कोई भी	0.075	नग	अमरीकी डॉलर

**ड. आगे की प्रक्रियाएं**

73. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा -

(क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और अंतिम जांच परिणामों में उन पर विचार किया जाएगा;

(ख) निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और ज्ञात संबंधित अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र भेजने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

(ग) प्राधिकारी आगे आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन करेंगे;

(घ) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

क्रिस्टी एल. फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th August, 2006

**Preliminary Findings**

**Subject : Anti-Dumping Investigation involving import of Compact Discs—Recordable (CDRs) from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei.**

**F. No. 14/15/2005-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. WHEREAS Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi (herein after referred to as the applicants) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and Rules, alleging dumping of Compact Discs-Recordable (CD-Rs) (herein after referred to as subject good), originating in or exported from the China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei (referred to as subject countries) and requested for initiation of an investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 4<sup>th</sup> April 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**A. Procedure**

4 Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 4<sup>th</sup> April 2006 to the Embassies/representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries/territories, importers and the domestic industry as per the information available with it and requested them to file questionnaire responses and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (ii) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassies/High Commissions of the subject countries/territories in accordance with Rules 6(3) supra.
- (iii) The Embassies/High Commissions/ Representatives of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries/territories to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies/High Commissions of subject countries along with a list of known exporters/ producers.
- (iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries in accordance with the rule 6(4):-
- (v) In response to the above notification the requests were received from various interested parties for extension of time for submission of questionnaire response. However only the following exporters from the subject countries filed their questionnaire responses.
  - a) M/s Imation Singapore Pte Ltd., Singapore;
  - b) M/s Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR

Optical disc Manufacturing and Technologies Association, Hong Kong also filed a letter dated 8<sup>th</sup> May 2006 requesting for additional time to file its response and cooperate in the investigation. They were allowed additional time as requested. However, the Association has not filed any response or



any information with regard to this investigation. However, the Department of Trade and Industry, Government of the Special Administrative Region of Hong Kong also filed a representation, which has been taken on record.

- vi) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods from the subject countries except brief submissions filed by the following parties:

- a) M/s Lok Enterprises, Mumbai
- b) M/s Crystal Impex, Mumbai

In addition to the above, M/s Allied Electronics, Udaipur, vide its letter dated 25<sup>th</sup> July 2006, made a request for additional time to file importer's questionnaire response. In the interest of the investigation, they were allowed additional time to file their response. This importer filed its questionnaire response on 21<sup>st</sup> August 2006. M/s Trend Automation Pvt. Ltd. also made a similar request but failed to file any response.

- vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;
- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential \*\*\* in this finding represents information furnished by the domestic industry on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xi) Investigation was carried out for the period starting from 1.10.2004 to 30.9.2005 (POI).

#### **C. Product under Consideration and Like Article**

5. The product under consideration in this investigation is Compact Discs-Recordable (CD-Rs). CD-R is a polycarbonate disc containing a spiral groove on

one side to guide the laser beam for writing and reading information. The disc is coated on the side with the spiral groove with a very thin layer of vegetable-based organic dye and subsequently with a thin, reflecting layer of silver, a silver alloy or gold. Finally, a protective coating of a photo-polymerizable lacquer is applied on top of the metal reflector and cured with UV-irradiation. Recording on such a disc can be done only once and therefore, the disc is said to be of the type 'WORM' (Write Once Read Many times). The disc is an optical storage medium for digital data or music. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No. 8523.90.50. However, the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

#### **D. Standing of the Domestic Industry**

6. The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi, (ODMA) comprising of 8 producers of the subject goods in India. Four producers of the subject goods and members of ODMA have joined the application as the applicants and other four members of ODMA have supported the petition. Therefore, domestic producers expressly supporting the application account for more than 90% of the total domestic production of the subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

#### **E. De Minimis Limits**

7. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources the imports of the subject goods from the subject countries are above the de minimis level.

#### **F. Other submissions and issues raised**

8. Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, in its representation dated 14<sup>th</sup> June 2006 has inter alia made the following submissions:

- That the investigation has been initiated on the basis of unsubstantiated application filed by the Optical Disc Manufacturers Association as the application contains many doubtful and unjustified claims and the authority has failed to observe its obligation under Article 5.3 of ADA to examine adequacy and accuracy of the evidence provided in the application.
- That the dumping allegation against five named exporters from Hong Kong is unjustified as two of them have actually ceased to manufacture CDRs and two others did not export any CDRs to India during the POI.
- That non-confidential application submitted by the applicants does not provide a complete picture of the performance of the Indian Industry.
- That Hong Kong has a substantial domestic market of CDRs and most Hong Kong producers sell substantial quantities of CDRs to the domestic market. Therefore, proposed adoption of Normal Value based on Hong Kong's export price to Turkey is not appropriate. Turkey accounted for less than 0.43% of Hong Kong's, total export of CDRs.

- That the applicants have not provided sufficient evidence in their non-confidential applications for allowing fair assessment of the injury caused to the domestic industry. However, taking the ODMA's application at face value some information reported therein suggest that contrary to the claim of the complainants the Indian Industry is performing well. Therefore, the injury claim is doubtful.
- That ODMA has failed to separate and distinguish the injurious effects allegedly caused by imports from Hong Kong and there is no proof, in ODMA's application, of a causal link between imports of CDRS from Hong Kong and any injury to the Indian domestic industry. The Authority should therefore, discharge its obligation of non-attribution analysis and take into account other factors that might be negatively affecting the performance of the domestic industry.

The Authority has taken note of these submissions to the extent they are relevant and substantiated.

#### **G. Determination of Dumping Margin**

9. The Authority notes that only two exporter from the subject countries, namely M/s Imation Singapore Pte Ltd., Singapore; and M/s Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR have filed questionnaire responses which have been examined as follows:

##### **G.1 M/s Imation Singapore Pte Ltd., Singapore**

10. M/s Imation Singapore Pte Ltd., Singapore is an exporter of the subject goods from Singapore without any production facility of its own. However, they have not provided the details and the cost of production of their supporting producer. This exporter has not filed the questionnaire response in the form and manner prescribed for this purpose. Accordingly, a detailed deficiency letter was sent to the exporter on 24<sup>th</sup> July calling for a revised questionnaire response in the form and manner prescribed, including the data of the supporting manufacturer, if any. However, the exporter has not filed any reply to the same.

##### **G.2 M/s Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR**

11. M/s Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR is a producer of the subject goods in China PR exporting the same to India through M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong. It was noticed that the respondent has not filed any response from the actual exporter i.e., M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong. The responding producer has also not filed any response to the market economy questionnaire. Several other deficiencies in respect the data submitted by the producer was also noticed. Therefore, a detailed deficiency letter was issued to this party on 24<sup>th</sup> July to submit the questionnaire response in the form and manner prescribed alongwith the questionnaire response of the actual exporter of the subject goods and market economy response in respect of both and non-confidential version of their submissions. This exporter filed a reply to the above deficiency vide letter dated 4<sup>th</sup> August 2006. However, the exporter of the subject goods, i.e., M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong has not filed any

response. The responding producer has also not filed detailed market economy questionnaire response.

12. The Authority notes that Rule 6.8 of the antidumping Rules provide that in a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it.

13. Article 6.8 of the Agreement read with paragraph 1 of Annex II provides that as soon as possible after the initiation of the investigation, the investigating authorities should specify in detail the information required from any interested party, and the manner in which that information should be structured by the interested party in its response. The authorities should also ensure that the party is aware that if information is not supplied within a reasonable time, the authorities will be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry.

14. The Authority notes that the exporters in the subject countries and the respective Governments have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to the parties to make their submissions in this regard. Therefore, in the absence of cooperation from the subject countries and pending compliance of the above deficiencies by the responding producers/exporters and examination/verification of the same the authority has determined the dumping margins in respect of the subject countries on the basis of facts available.

a) **China PR**

**Normal Value**

15. The Authority notes that none of the exporters/producers from China PR has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire or rebutted the non-market economy presumption against Chinese exporters except the incomplete response filed by the exporter named above. Though the responding producer has filed the details of its domestic sales and cost of production the response is incomplete and market economy response has not been filed. In view of the above it does not permit any reasonable basis for determination of the normal value in that country. Therefore, for the purpose of the preliminary finding, pending submission of additional information by the responding producer in China PR the authority has provisionally estimated the normal value in China taking into account the evidence of transaction value of CDR in domestic market in China provided by the applicants as the facts available with the Authority. However, such transaction prices being at distributor level appropriate adjustments have been applied on facts available basis to work out the normal value at the ex-factory level. Accordingly, the ex-works Normal Value of CDRs for all exporters from China has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per Pc.

## Export Price

16. The Authority also notes that the response filed by the lone Chinese producer in this case does not provide any actual export price to India as the information submitted shows its invoice price to the exporter in Hong Kong. The exporter in Hong Kong has not filed any response. Under the above circumstances it is not possible to determine separate export price for this exporter also. Therefore, export price has been worked out on the basis of weighted average export price of all comparable transactions in respect of imports from the China PR as per the DGCIS data after allowing for adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance from the CIF value reported by DGCIS on facts available basis in the absence of complete information from any cooperative exporter from that country. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per PC

## Dumping Margin

17. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices so determined provisionally have been compared at the same level of trade. Accordingly, the weighted average dumping margin for all exporters from China PR has been provisionally determined as follows as US\$\*\*\*\*\*per Pc (178%):

### b) Singapore

18. As noted earlier only one exporter from Singapore has filed a questionnaire response. However, the response has not been found to be complete and deficiencies have been communicated to the responding exporter. Therefore, pending compliance of the above deficiencies by the producers/exporters from Singapore and examination/verification of the same the authority has determined the dumping margin in respect of the subject country as follows:

## Normal Value:

19. Since the responding exporter's data is not complete, for the purpose of the preliminary finding, pending submission of additional information by the responding producer in China PR, the authority has provisionally estimated the normal value in Singapore taking into account the evidence of transaction value of CDR in domestic market in Singapore provided by the applicants as per the facts available with the Authority. However, such transaction prices being at distributor level appropriate adjustments have been applied on facts available basis to work out the normal value at the ex-factory level. Accordingly, the ex-works Normal Value of CDRs for all exporters from Singapore has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per Pc.

## Export Price:

20. For the purpose of the preliminary determination of the export price the CIF import price reported in the DGCIS transaction-wise data has been relied upon. Adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance have been

applied on the CIF value reported by DGCIS, on facts available basis, in the absence of complete information from any cooperative exporter from Singapore. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per PC

### **Dumping margins**

21. For arriving at the dumping margin the export price has been compared with the normal value at the same level of trade, i.e. at ex-works level, during the POI. Accordingly, the dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in Singapore have been determined as US\$\*\*\*\*\* (78%).

### **c) Chinese Taipei**

#### **Normal Value**

22. The Authority notes that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority has estimated the normal value based on facts available as per the evidence of transaction value produced by the applicants. However, such transaction prices being at distributor level appropriate adjustments have been applied on facts available basis to work out the normal value at the ex-factory level. Accordingly, the ex-works Normal Value of CDRs for all exporters from Chinese Taipei has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per Pc.

#### **Export Price**

23. In the absence of any cooperation from Chinese Taipei the Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the Chinese Taipei as reported by DGCIS. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance has been applied based on the facts available to arrive at ex-works export price. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*Per PC.

#### **Dumping Margin**

24. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$\*\*\*\*\*Per Pc (121%) for all exporters from Chinese Taipei.

### **d) Hong Kong**

#### **Normal Value:**

25. The Authority notes that none of the exporters/producers from Hong Kong has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority has estimated the normal value based on facts available as per the evidence of transaction value produced by the applicants.

Since the provisional determination has been done based on the basis of evidence of domestic transaction in Hong Kong the Authority notes that the comments of the Trade and Industry Department, the Government of Hong Kong Special Administrative Region on the subject are not relevant. Such transaction prices being at distributor level appropriate adjustments have been applied on facts available basis to work out the normal value at the ex-factory level. Accordingly, the ex-works Normal Value of CDRs for all exporters from Hong Kong has been provisionally determined as **US\$0. \*\*\*\*\* per Pc.**

#### **Export Price:**

26. In the absence of any cooperation from Hong Kong the Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from Hong Kong as reported by DGCIS. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance has been applied based on the facts available to arrive at ex-works export price. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as **US\$ \*\*\*\*\*Per PC.**

#### **Dumping Margin**

27. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to **US\$\*\*\*\*\*Per Pc (71%)** for all exporters from Hong Kong.

#### **G.3 Dumping Margin Summary**

28. The dumping margins so determined have been found to be significant and above the de minimis levels. Summary of dumping margins are as follows:

Country	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	DM %
		US\$/Pc	US\$/Pc	US\$/Pc	
China PR	All Exporters	*****	*****	*****	178%
Singapore	All Exporters	*****	*****	*****	78%
Hong Kong	All Exporters	*****	*****	*****	71%
Chinese Taipei	All Exporters	*****	*****	*****	121%

#### **H. INJURY DETERMINATION**

29. The Authority notes that except the submissions of the Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, as noted in the previous section, no argument has been made by any other interested party on the injury claims of the domestic industry. The Authority has noted the views expressed by the above interested party in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

**H.1 Cumulative assessment of injury**

30. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I) The imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports;
- II) The dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

31. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries/territories are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the limits prescribed;
- iii) The domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles;
- iv) Imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used. Transaction wise information on imports from various countries shows that the imports are being made by the traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the same channels of distributions and directly competing in the same market;
- v) Products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions;
- vi) Imports of individual products from each of the subject countries have increased;
- vii) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers;
- viii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;



32. Therefore, the Authority holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

## **H.2 Examination of Injury and Causal Link:**

33. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

34. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

35. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:-

### **H.2.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares**

#### **a) Import Volumes**

36. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

37. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed based on the data reported in the DGCI&S data after pruning the data for unrelated products. The import figures are as under:-

	Import Volumes		Qty In Nos	
Country	2002-03	2003-04	2004-05	POI
China PR	2200200	22109908	75171056	119843369
Hong Kong	0	7338659	17639805	26530200
Singapore	3706300	5913900	2247302	1888102
Chinese Taipei	27751823	31028228	61005966	94031421
Total Subject Countries	33,658,323	66,390,695	156,064,129	242,293,092

Trend		100	197	464	720
Other Countries		2,229,790	3,070,260	8,135,882	11,857,176
Trend		100	138	365	532
Total		35888113	69460955	164200011	254150268
Trend		100	194	458	708
Share of Subject countries		94%	96%	95%	95%
Share of other countries		6%	4%	5%	5%

**Data Source: DGCIS**

38. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period by about 700%. The share of dumped imports from the subject countries account for about 95% of the total imports during this period, implying thereby that the imports from other sources are insignificant and entire growth of imports are accounted for by the imports from the subject countries.

**b) Actual and potential effect on production and capacity utilization:**

39. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry. The Authority notes that one of the domestic producers is an export oriented unit and the domestic production of the domestic industry has been worked out taking into account its domestic sales entitlements as per the EOU Policy of the Government of India. The domestic sales of the domestic industry have been compared with the domestic production based on this entitlement.

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
	Qty (Nos.)	Qty (Nos.)	Qty (Nos.)	Qty (Nos.)
Production, Sales and Market Share				
Installed Capacity	*****	*****	*****	*****
Production	*****	*****	*****	*****
Capacity Utilization (%)	78%	80%	93%	94%
Domestic Sales	*****	*****	*****	*****
Production for domestic market	*****	*****	*****	*****
Domestic sales entitlement	*****	*****	*****	*****
Sales as a % of entitlement		40%	84%	62%

40. The data indicates that though the domestic industry's capacity, production and capacity utilization remains high and has improved compared to the base year, its production for the domestic market and sales in the domestic market has

declined significantly after improvement in 2004-05. The domestic sale as a percentage of its entitlement to sale in the domestic market has declined from 84% in 2004-05 to 62% in the POI.

**c) Actual and potential effect on market share:**

41. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Country	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Total Import				
Subject Countries	33658323	66390695	156064129	242293092
Trend	100	197.25	464	720
Other Countries	2229790	3070260	8135882	11857176
Trend	100	137.69	365	532
Total Import	35888113	69460955	164200011	254150268
Trend	100	193.55	458	708
Domestic Sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	225.67	353	307
Total Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	219.02	375	390
Share in Demand Indexed				
Subject countries	100	90.06	124	184
Other countries	100	62.87	97	136
Domestic Industry	100	103.04	94	79

42. While the demand of the subject goods in the domestic market has increased by about 200% the share of the domestic industry in the total demand has declined by 17% compared to the base year while the share of the dumped imports have increased by 17% indicating that the dumped imports have significantly impacted the domestic industry's sales volumes and market shares.

## H.2.2 Price effect of dumped imports

43. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The Authority finds that the CIF import prices from the subject countries have been as under:-

Country	2002-03	CIF Import Price 2003-04	2004-05	POI
China PR	4.70	4.37	3.79	3.39
Hong Kong	0	4.44	3.43	3.36
Singapore	6.22	4.51	3.77	3.91
Chinese Taipei	5.62	4.76	3.74	3.06
Total Subject Countries	5.79	4.57	3.73	3.26
Trend	100	79	64	56

44. The above data indicates that the CIF import price of the subject goods from the subject countries have declined by over 44% compared to the base year.

### H.2.3 Price undercutting and underselling

45. The Authority determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty.

Country	2002-03	2003-04	2004-05	POI
<b>Cost of Sale per unit</b>	*****	*****	*****	*****
<b>Trend</b>	100	94.41	81.40	82.76
<b>Selling Price</b>	*****	*****	*****	*****
<b>Trend</b>	100	105.68	66.49	63.68
<b>Landed value</b>				
China PR	5.22	4.82	4.02	3.51
Hong Kong	0.00	4.89	3.64	3.48
Singapore	6.91	4.98	4.00	4.05
Chinese Taipei	6.47	5.25	3.96	3.17
Total Subject Countries	6.44	5.04	3.96	3.38
<b>Trend</b>	100	78.36	61.46	52.49
<b>Price Undercutting</b>				
China PR				30-40%
Hong Kong				30-40%
Singapore				15-25%
Chinese Taipei				45-55%
Total Subject Countries				35-45%
<b>NIP</b>				
<b>Price Underselling</b>				*****
China PR				115-125%
Hong Kong				115-125%
Singapore				85-95%
Chinese Taipei				140-150%
Total Subject Countries				125-135%

46. Though there is a decline in the cost of production by about 17%, net sales realization of the domestic industry declined by about 38% over the injury period as shown in the table above. The landed value of imports from the subject countries has declined by about 48%. The price undercutting of the imports from the subject countries was about 40% during the POI. Price underselling of the dumped imports from the subject country as a % of landed value was more than 100% during the POI.

### H.2.4 Price suppression and depression

47. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data indicates that though there is a

decline in the cost of production of the subject goods during the injury investigation period, the fall in sales realization has been significantly higher than the decline in cost of production. It therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

48. The above analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market shares and by depressing the prices of the domestic market and eroding its market share.

### H.3 Examination of other injury factors

49. After examining some of the injury factors i.e. actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

#### a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

50. Performance of the domestic industry in terms of capacity, production, capacity utilization and sales has been as under:-

Production and capacity Utilization			Qty in Nos	
	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Capacity of the DI	*****	*****	*****	*****
Trend	100	182	200	192
Total Production	*****	*****	*****	*****
Trend	100	188	237	231
Capacity Utilization	78%	80%	93%	94%
Trend	100	102	119	120
Domestic sales entitlement	*****	*****	*****	*****
Domestic Production	*****	*****	*****	*****
Trend	100	295	439	276
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	225.67	353	307
Sales as % of entitlement		90%	84%	62%

51. The Authority notes that the capacity of the domestic industry has increased significantly in the year 2003-04 and thereafter there is very marginal addition to capacity. Total production of the domestic industry, including the production meant for exports, has increased over the injury period by about 80% between 2002-03 and 2003-04 and thereafter the increase in production has been only about 25% in the next three years. As a result of higher production the capacity utilization has also improved. However, even though total production has increased, the domestic sales have significantly declined in the POI after showing increase in the previous years. The production for domestic sales also shows significant decline after improvement in the previous year though the domestic demand shows a growth of about 78% over the base year.

**b) Profits/Loss and Return on Investments**

52. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:-

		2002-03	2003-04	2004-05	POI
Average Domestic Cost of Sales	Rs Per Unit	*****	*****	*****	*****
Average domestic selling price	Rs Per Unit	*****	*****	*****	*****
Profit / Loss	Rs Per Unit	*****	*****	(*****)	(*****)
Trend		100	264	-142	-204
Domestic Investment	Rs	*****	*****	*****	*****
ROI on Domestic investments	Rs	*****	*****	*****	*****
Return on Investment [ROI] %	%	***** %	***** %	(*****) %	(*****) %
Trend		100	53	-18	-28

53. The above data indicates that in spite of increase in overall production and sales, and decline in cost of production, the domestic industry has started losing money on the domestic sales due to significant decline in the domestic selling prices. From positive profit margin per unit in the base year, the domestic industry makes net loss on the domestic sales in the POI. The return on the domestic investments of the domestic industry has declined from a positive return of about 17% in the base year to a negative return of about 5% during the POI.

**c) Employment and Wages**

54. Number of employees and wages paid has indicates that employment has increased because of the increase in production, which is in line with the capacity addition. The wages have also increased by about 16% compared to the base year, which does not show any disproportionate increase in wage burden on the domestic industry.

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Employment (Manpower Strength)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	176	236	249
Average wages per person	*****	*****	*****	*****
Trend	100	101	105	116
Average wages per person per day	*****	*****	*****	*****
Trend	100	101	105	118

**d) Inventories**

55. Inventory position of the domestic industry shows inventory holding by the domestic industry though the average stock has come down because of increase in export activity.

Inventory	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Opening Stock	*****	*****	*****	*****
Closing Stock	*****	*****	*****	*****
Average Stock	*****	*****	*****	*****
Trend	100	35	70	72
Average Stock in terms of No. of Days' sales	82	13	16	19

#### g) Cash Flow

56. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:-

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Total Cash profit	*****	*****	*****	*****
Trend	100	2201	728	399
Cash Profit : Indigenous	*****	*****	*****	*****
Trend	100	325	110	19
Cash profit (Per unit)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	113	30	15
Cash Profit : Indigenous (Per unit)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	144	31	6

57. It is seen that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period.

#### h) Productivity

58. The productivity of the domestic industry has been examined with reference to production per day and per employee as follows:

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Total Production	*****	*****	*****	*****
Production Per day	*****	*****	*****	*****
Trend	100	188	237	231
No of Employees	*****	*****	*****	*****
Productivity per employee	*****	*****	*****	*****
Trend	100	107	100	93

59. The daily productivity of the domestic industry has improved though per employee productivity has marginally declined due to increase in employment level.

#### i) Growth

60. Even though growth of the domestic industry in terms of parameters, such as capacity, production, sales, and productivity was positive, the same was negative in terms of market share, profits, cash flow, and return on investments.

### j) Ability to raise fresh Investment

61. The Authority notes that the domestic industry has made fresh capital investments in for expansion during the investigation period. However, the investment has been declining each year. However, it is found that the financial performance of the domestic industry is significantly eroding, which has adverse impact on its ability to raise fresh investments.

Investment	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Capital Investment for expansion	*****	*****	*****	*****
Trend	100	72	44	32

### Overall assessment

62. The above preliminary analysis of the factors that may indicate existence of material injury to the domestic industry shows that in spite of the improvement in capacity, production, and reduction in its cost of production, improvement in productivity, the domestic industry suffers injury on account of decline in domestic sales, while there is a healthy demand for the products in the domestic markets, low net sales realization, higher inventory built up, negative return on investments and profits. The injury suffered is material and significant.

### H.4 Causal link

63. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects the Authority has also examined whether other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping could have contributed to injury to the domestic industry. Therefore, the following parameters have been examined:

- Imports from Third Countries: - Imports from countries not under investigation are either insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry;
- Contraction in Demand: - Demand for the subject goods have increased substantially during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.
- Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- Conditions of competition: - The goods are freely importable. The applicants are the major producers of the subject goods and account for almost 100% of the domestic production. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.



- e) **Developments in technology:-** There is no allegation of significant changes in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- f) **Export performance of the domestic industry:-**

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
<b>Export Sale</b>	*****	*****	*****	*****
<b>Trend</b>	100	167	197	222

The Authority notes that the export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has also declined in the injury period. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:-** Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.
64. The non-attribution analysis as above shows that no other factor other than the dumped imports has affected the domestic industry.

#### **H.4.1 Factors establishing causal link**

65. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports from the subject countries steeply declined, resulting in significant price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.
2. Reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
3. Even though the domestic industry responded to decline in import prices, significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject countries. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined.
4. In spite of increase in demand and reduction in selling prices by the domestic industry, market share of the domestic industry declined due to significant reduction in landed price of imports. This retarded the growth of the domestic industry.

66. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the dumped imports from the subject countries/territories.

**I Magnitude of Injury and injury margin**

67. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

Product	Country	Exporter	Injury Margin Rs Per Pc	Injury Margin %
CDR	China PR	All Exporters	*****	115-125%
CDR	Singapore	All Exporters	*****	85-95%
CDR	Hong Kong	All Exporters	*****	115-125%
CDR	Chinese Taipei	All Exporters	*****	140-150%

**J. Conclusions**

68. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority provisionally concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries;
- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries are substantial and above de minimis;
- iii) The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

**K. Indian industry's interest & other issues**

69. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

**L. Recommendations**

70. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports the Authority is of the opinion that imposition of provisional measure is

required to prevent injury being caused to the domestic industry during the investigation period.

71. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

72. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

**Duty Table**

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8523.90.50	Compact Discs-Recordable (CDRs) Write Once Read Many Times	Any	China PR	China PR	Any	Any	0.094	PC	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Any	Any	0.094	PC	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	Any	China PR	Any	Any	0.094	PC	US\$
4	-Do-	-Do-	-Do-	Singapore	Singapore	Any	Any	0.064	PC	US\$
5	-Do-	-Do-	-Do-	Singapore	Any other than China PR and Chinese Taipei	Any	Any	0.064	PC	US\$
6	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than China PR and Chinese Taipei	Singapore	Any	Any	0.064	PC	US\$
7	-Do-	-Do-	-Do-	Hong Kong	Hong Kong	Any	Any	0.049	PC	US\$
8	-Do-	-Do-	-Do-	Hong Kong	Any other	Any	Any	0.049	PC	US\$

					than subject countries					
9	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Hong Kong	Any	Any	0.049	PC	US\$
10	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	0.075	PC	US\$
11	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any other than China PR	Any	Any	0.075	PC	US\$
12	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than China PR	Chinese Taipei	Any	Any	0.075	PC	US\$

#### M. Further Procedures

73. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty (40) days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority